860 विद्यार्थियों-शोधार्थियों का सम्मान • मेवाड़ यूनिवर्सिटी के दीक्षांत समारोह में आए राज्यपाल

देश में हिंसा क्या संविधान का उल्लंघन नहीं, देश के प्रति कर्तव्य के बारे में भी सोचें: राज्यपाल मिश्र

भास्कर न्यूज | चित्तौड़गढ़/गंगरार

प्रदेश के राज्यपाल कलराज मिश्र ने कहा कि फंडामेंटल राइट्स की बात तो सभी लोग करते हैं पर अपनी ड्यूटी की नहीं। मेरा अपने देश के प्रति क्या कर्तव्य है। हर पल यह सोचते हुए इसे आचरण में उतारने की जरूरत है। उन्होंने दिल्ली में हिंसा का नाम लिए बिना कहा कि देश में हिंसा क्या संविधान का उल्लंघन नहीं है। हमारा देश विश्वबंधुत्व की भावना का पैरोकार रहा है। यदि यहीं पर हिंसा होती है तो दूसरे देशों के लोग क्या कहेंगे।

राज्यपाल मिश्र शनिवार को गंगरार स्थित मेवाड़ यूनिवर्सिटी के पांचवें दीक्षांत समारोह में बतौर मुख्य अतिथि संबोधन दे रहे थे। राज्यपाल ने इस कार्यक्रम में 860 विद्यार्थियों व शोधार्थियों को डिग्री देकर सम्मान किया। कहा कि अब आपकी वास्तविक परीक्षा आ रही है। शिक्षा एवं रोजगार के साथ देश के प्रति जवाबदेही को समझते हुए चलना है। ऐसा क्रियाकलाप नहीं करें जिससे देश को क्षति हो। यदि इस बात को मन में ठान लिया तो मैं विश्वास के साथ कह सकता हूं कि दुनिया भी गर्व करेगी।

उन्होंने कहा कि शिक्षा रोजगारोन्मुखी बने। इंजीनियर सहित आप भी आगे कुछ ऐसा करें कि दूसरों को भी रोजगार दे सकें। तभी देश के विकास में सही भागीदारी बनेगी। मेवाड़ यूनिवर्सिटी के चेयरपर्सन अशोक गदिया, प्रेसिडेंट प्रबंध एवं अकादमिक समिति सदस्य डा. के के पैथ, गोविंद गदिया, रजिस्ट्रार डा बीपी आर पी बैरवा, प्लेसमेंट डायरेक्टर हरीश गुरनानी आदि ने राज्यपाल का महाराणा प्रताप की प्रतिमा और विद्यार्थियों द्वारा बनाई गई उनकी पेंटिंग भेंट कर स्वागत किया। सांसद सीपी जोशी, पूर्व मंत्री श्रीचंद कृपलानी, भाजपा जिलाध्यक्ष गौतम दक, एसपी दीपक भार्गव, एडीएम मुकेश कलाल, एसपी अनिल सिंह, एसडीएम तेजस्विनी राणा, डिप्टी बुद्धिचंद गुर्जर मौजूद थे।

भगवान राम व स्वामी विवेकानंद सहित महापुरुषों के उदाहरण देते हुए छात्रों को नसीहत और टिप्स दिए

गुरुओं का सम्मान: गुरु सम्मान की परंपरा एवं महत्व पर प्रकाश डालते हुए राज्यपाल ने कहा कि स्वामी विवेकानंद जब भी कहीं जाते तो उत्तिष्ठ जाग्रत... का प्रयोग करते थे। रामायण की चौपाई जननी जन्म भूमिश्च स्वर्गादपि गरीयसी पर बोलते हुए कहा कि भगवान श्रीराम एवं कृष्ण ने भी गुरुओं के प्रति श्रद्धा रखते हुए शिक्षा प्राप्त की। गुरु का सम्मान करने वाला ही जीवन में सफल होता है। जो नहीं करते हैं वे रचनात्मक कार्य नहीं कर पाते हैं।

खुद को अपडेट रखें: राज्यपाल ने कहा कि आप खुद को अपडेट रखें। प्लेसमेंट एवं गुणवत्ता पर फोकस रखें। कल से बेहतर आज करना है। इस पर फोकस करें। आज तो गूगल गुरु हो गए हैं। एक शब्द डालो और सारी जानकारी आपके सामने। ये सब कहां से और कैसे आई। इस पर भी चिंतन करें। प्रति क्षण नया करने की ललक रखें।

शब्द की ताकत: ऋषियों ने जो शब्द कहे वे मंत्र और वेद बने। उसी ज्ञान से शब्द की ताकत बनी। इसीलिए शब्द को ब्रह्म माना है।

संविधान: राज्यपाल ने शुरुआत में संविधान के प्रति मूल कर्तव्य का वाचन करते हुए भी राष्ट्र की एकता एवं अखंडता सुनिश्चित करने पर जोर दिया।

29 राज्यों और 10 देशों के विद्यार्थी पढ़ रहे हैं यहां

यूनिवर्सिटी के चेयरपर्सन डॉ. अशोक गदिया ने स्वागत उद्बोधन में कहा कि 2009 में इसकी शुरुआत हुई। वर्तमान में 29 राज्यों व 10 देशों के 10 हजार विद्यार्थी हैं। इनमें से 400 विदेशी हैं। एक हजार विद्यार्थी छात्रावास में रहते हैं। यह देश की पहली यूनिवर्सिटी है, जिसमें एससी, एसटी, अल्पसंख्यक तथा ग्रामीण क्षेत्र के 70 प्रतिशत विद्यार्थी हैं। उन्होंने विद्यार्थियों एवं शोधार्थियों से कहा कि यह डिग्री तो कागज का टुकड़ा है। जहां भी जाओ यूनिवर्सिटी का नाम भी साथ में जाएगा। इसलिए इसका मान रखो।

प्रताप का शौर्य याद करते हुए चित्तौड़ को नमन किया

राज्यपाल मिश्र ने चित्तौड़ का जिक्र करते हुए कहा कि मैं शक्ति, भक्ति, शौर्य पराक्रम, राणा सांगा, महाराणा प्रताप की भूमि को नमन करता हूं। विश्वास है कि इस यूनिवर्सिटी से निकले विद्यार्थी देश का नाम भी रोशन करेंगे। क्योंकि यूनिवर्सिटी सभी संसाधनों से युक्त है। राज्यपाल के कुर्सी पर बैठने के बाद ही लोग सीट पर बैठे।

दीक्षांत समारोह में डिग्री प्राप्त करने वाले विद्यार्थी और शोधार्थी।

Dainik Bhaskar 01-03-2020

शोधार्थी बोले सर प्लीज एक फोटो...यूनिवर्सिटी गेट पर ही कुर्सी लगवाकर बैठ गए राज्यपाल मिश्र

चित्तौड़गढ़। मेवाड़ यूनिवर्सिटी के दीक्षांत समारोह से लौटते समय राज्यपाल कलराज मिश्र से शोधार्थियों ने कहा सर प्लीज एक फोटो...इस पर राज्यपाल ने भवन के गेट पर ही उनकी मुराद पूरी करने में हिचक नहीं की। उन्होंने वहीं साधारण कुर्सी लगवाकर उनके साथ फोटो खिंचवाया। **(पेज 14 भी देखें)** फोटो- संजय शर्मा

Dainik Bhaskar 01-03-2020

आईएएस कैडर के अधिकारी को भी मानद शोध डिग्री प्रदान विद्यार्थियों को सम्मानित किया

चित्तौड़गढ़ | मेवाड़ यूनिवर्सिटी में शनिवार को आयोजित हुए दीक्षांत समारोह में मुख्य अतिथि राज्यपाल कलराज मिश्र रहे। समारोह में डायरेक्टर जनरल एडमिन एंड एकेडमिक एवी शुक्ला ने स्वागत उद्बोधन दिया। बीटेक की छात्रा दीक्षा कुलश्रेष्ठा, बीएससी एग्रीकल्चर के छात्र उज्जवल सरकार, फार्मेसी की छात्रा संगीता सिंकू, मैनेजमेंट के सुहैल हमीद एवं बीएससी मैथमेटिक्स की छात्रा नवेक्षा को सम्मानित किया। मंच पर मुख्यतः पीएचडी के छात्र-छात्राओं को डिग्री वितरित की गई। इसमें नेशनल एंटी प्रोफिटेरिंग अथॉरिटी के चेयरमैन बीएन शर्मा (आई.ए.एस.) को भी मानद शोध डिग्री दी गई। स्नातक एव स्नातकोत्तर छात्र-छात्राओं को डिग्री वितरण के लिए विभागानुसार व्यवस्था की गई। चेयरपर्सन डॉ अशोक कुमार गदिया ने स्वागत उदबोधन दिया। प्लसमेंट डायरेक्टर हरीश गुरनानी ने बताया कि अंत में विश्वविद्यालय के रजिस्ट्रार डॉ. वेंकट विपीआरपी ने धन्यवाद ज्ञापित किया। संचालन वंदना चूंडावत एवं राजेश भट्ट ने किया।

Dainik Bhaskar 01-03-2020

अधिकार के नाम पर हिंसा उचित नहीं : मिश्र

चित्तौड़गढ़। एक विद्यार्थी को उपाधि प्रदान करते हुए राज्यपाल व मौजूद कार्यवाहक जिला कलक्टर, पुलिस अधीक्षक एवं सांसद। फोटो : नरेश ठक्कर

चित्तौड़गढ़/गंगरार। राज्यपाल कलराज मिश्र ने कहा कि जिस संस्थान में गुरुजनों का सम्मान होता हो, उस संस्थान को सफलता से कोई नहीं रोक सकता है। गुरुजन के प्रति समर्पण एवं श्रद्धा की भावना नहीं होने पर जीवन में रचनात्मक कार्य भी नहीं किए जा सकते हैं।

राज्यपाल ने शनिवार को निकटवर्ती मेवाड़ विश्वविद्यालय के 5वें दीक्षांत समारोह में उपस्थित विद्यार्थियों आदि को संबोधित करते हुए कहा कि उन्हें इस विश्वविद्यालय के बारे में पूर्व से भी काफी कुछ जानकारी हासिल थी, कि यहां सभी आधारभूत ढांचे के साथ ही संसाधन जुटाए जाते हैं, एवं शिक्षा के लिए जो भी सुविधाएं हैं, विश्वविद्यालय उन्हें प्रदान कर रहा है। इस अवसर पर उन्होंने सभी 460 उपाधि धारकों को उपाधि लिए जाने पर बधाई एवं शुभकामनाएं प्रेषित की।

राज्यपाल ने प्रारंभ में उपस्थित सम्भागियों को संविधान की उद्देशिका की शपथ दिलाई। सर्वप्रथम शैक्षणिक उत्कृष्टता में अव्वल रहे विद्यार्थियों को पुरस्कृत किया गया, जिसमें बी.टेक की छात्रा दीक्षा कुलश्रेष्ठ, बी.एस.सी. एग्रीकल्चर के छात्र उज्जवल सरकार, फार्मेसी की छात्रा संगीता सिंकू, मैनेजमेंट के सुहैल हमीद एवं बी.एस.सी. मैथमेटिक्स की छात्रा नरेशा को सम्मानित किया। मंच पर मुख्यतः पी.एच.डी. के छात्र-छात्राओं को डिग्री प्रदान की गई, जिसमें नेशनल एंटी प्रोफिटेरिंग अथॉरिटी के चेयरमैन बी.एन. शर्मा (आई.ए.एस.) को भी मानद शोध डिग्री दी गई।

राज्यपाल ने कहा कि उपाधि देने के बाद विद्यार्थी कहीं भी रहें, लेकिन इस राज्य, देश एवं विश्वविद्यालय की पहचान को हमेशा सर्वोपरि बनाए रखें। उन्होंने कहा कि स्वामी विवेकानंद एक बात को बार-बार दोहराया करते थे, वह कहते थे कि उठो जागो और जानकार पुरुषों के सानिध्य में ज्ञान प्राप्त करो।

उन्होंने कहा कि कठोपनिषद का यह श्लोक आज सभी को समर्पण भाव से अध्ययन करने के लिए प्रेरित करता है। ऐसे भाव निरंतर मन में होंगे तो जिज्ञासा की प्रवृत्ति मन में लगातार बनी रहेगी। जब तक यह भाव मन में बना रहेगा और अपने उद्देश्यों की प्राप्ति नहीं कर लेते तब तक हमें लगातार ज्ञानार्जन करना है।

उन्होंने उपाधि लेने वाले विद्यार्थियों से कहा कि वह जितना रिसर्च करेंगे, उतने ही नए नवाचार सामने आएंगे। शिक्षा का उल्लेख करते हुए राज्यपाल ने कहा कि यह ऐसा हथियार है, जो दुनिया बदलने की ताकत रखता है।

उन्होंने कहा कि उच्च अध्ययन एक हवन आहुति के समान होता है, जिसमें आपको अपना सर्वोत्तम लगाना पड़ता है, मेहनत करनी पड़ती है, लक्ष्य ऐसे ही प्राप्त नहीं होता है, इसके लिए लगातार मेहनत करनी पड़ती है। उन्होंने कहा कि ज्ञान केवल गुरुजनों के सानिध्य में प्राप्त हो सकता है। राज्यपाल ने श्लोकों के माध्यम से गुरुजनों की महिमा का बखान किया।

उन्होंने कहा कि किसी विश्वविद्यालय की गुणवत्ता दो मानदंडों से निर्धारित होती है उस विश्वविद्यालय के प्लेसमेंट एवं फैकल्टी की गुणवत्ता कितनी है। विश्वविद्यालय केवल शिक्षा की उपाधि प्राप्त करने का केंद्र ना होकर उद्यमिता विकसित करने का केंद्र भी होता है। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार ने स्किल डेवलपमेंट पर पूर्ण फोकस किया है। अब इस दिशा में ना केवल कार्य करना है अपितु पॉलिटेक्निक के साथ स्किल डेवलपमेंट का सेंटर भी विकसित करना है। शिक्षा रोजगारोन्मुखी होनी चाहिए, स्किल डेवलपमेंट इंडस्ट्री जब आप इसका संतुलन बना लेंगे तो आपकी शिक्षा स्वतः ही रोजगारोन्मुखी हो जाएगी।

राज्यपाल ने कहा कि अधिकार के नाम पर हिंसा को उचित नहीं ठहराया जा सकता है। विश्वविद्यालय को ऐसे छात्र तैयार किए जाने चाहिए, जो नैतिक मापदण्डों की पालना करने के साथ-साथ अपने कर्तव्यों के प्रति भी निष्ठावान हो। शिक्षा के बाद केवल नौकरी के पीछे भागने के स्थान पर उद्यमशील बन कर आगे आना चाहिए।

इससे पूर्व मेवाड़ विश्वविद्यालय के कुलाधिपति डॉ. अशोक कुमार गदिया ने दीक्षांत समारोह को संबोधित करते हुए कहा कि मेवाड़ विश्वविद्यालय ग्रामीण अंचल में सन 2009 में स्थापित हुआ और इसका मुख्य उद्देश्य संपूर्ण ग्रामीण जनता की सेवा करना है। वर्तमान में विश्वविद्यालय में करीब 10 हजार विद्यार्थी हैं, एवं यह विश्व का पहला विश्वविद्यालय है, जिसमें 75 प्रतिशत बच्चे एस.सी., एस.टी, ओबीसी से संबंधित हैं, और इन 75 प्रतिशत बच्चों में से 90 प्रतिशत विद्यार्थी ग्रामीण अंचल से हैं।

उन्होंने कहा कि जिन विद्यार्थियों को जो डिग्री प्राप्त हो रही है, वह माने तो बहुत कुछ है ना माने तो कागज का टुकड़ा है। उपाधि लेने वाले विद्यार्थियों से उन्होंने कहा कि उनका नाम अब इस विश्वविद्यालय से जुड़ गया है, वह जहां कहीं पर भी जाएंगे विश्वविद्यालय आपके साथ जाएगा। उन्होंने कहा कि विद्यार्थी ऐसा कोई काम न करें जिससे आपके अध्यापकों, माता पिता और विश्वविद्यालय का नाम खराब हो।

दीक्षांत समारोह में सांसद सीपी जोशी, पूर्व मंत्री श्री चंद कृपलानी, पूर्व विधायक चौसर दक, जिला पुलिस अधीक्षक दीपक भार्गव, कार्यवाहक जिला कलक्टर मुकेश कुमार कलाल, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक सरिता सिंह, उपखंड अधिकारी तेजस्वी राणा सहित जन प्रतिनिधि, मेवाड़ एज्युकेशन सोसायटी के अध्यक्ष गोविंद कुमार गदिया, कुलाधिपति प्रोफेसर वी.के. वेद, रजिस्ट्रार डॉ. वेंकेट, प्रबंध समिति के सदस्यगण, विद्यार्थी गण एवं अभिभावक मौजूद थे। रजिस्ट्रार ने आभार व्यक्त किया।

इस अवसर पर गोविंद गदिया द्वारा राज्यपाल का शॉल ओढ़ा कर एवं स्मृति चिन्ह प्रदान कर स्वागत किया गया। राज्यपाल के विश्वविद्यालय परिसर में बनाए गए हेलीपैड पर हेलीकॉप्टर से पहुंचने पर कार्यवाहक जिला कलक्टर मुकेश कलाल, जिला पुलिस अधीक्षक दीपक भार्गव, अशोक गदिया, गोविंद गदिया आदि ने अगवानी कर स्वागत किया।

युवा रोजगार देने वाला उद्यमी बनकर गांवों एवं कस्बों में कार्य करे : राज्यपाल मिश्र

» अपने कार्यों से विश्वविद्यालय का नाम रोशन करें : कलराज मिश्र » मेवाड़ विश्वविद्यालय का 5वां दीक्षांत समारोह आयोजित

चित्तौड़गढ़, 29 फरवरी (कासं)। [illegible]

दीक्षांत समारोह में इनको प्रदान की डिग्रियां

[illegible]

दीक्षांत समारोह

चित्तौड़गढ़। समारोह को संबोधित करते व उपाधि से सम्मानित करते राज्यपाल व समारोह में मौजूद अतिथि व अन्य।   पीयूष

ऐसे छात्र तैयार करें जो नैतिक मानदण्डों के साथ कर्तव्यों के प्रति भी निष्ठावान हो : राज्यपाल

चित्तौड़गढ़ (प्रात:काल संवाददाता)। राज्यपाल कलराज मिश्र ने कहा कि विश्वविद्यालय ऐसे छात्र तैयार करें जो नैतिक मानदण्डो की पालना करते हुए अपने कर्तव्यों भी निष्ठावान हो वहीं शिक्षा ऐसी प्रदान की जाये कि यहां से डिग्री लेकर निकलने वाले छात्र नौकरी मांगने के बजाय उद्यमशील बनकर दुसरो को नौकरी देने लगे। राज्यपाल मिश्र शनिवार को मेवाड विश्वविद्यालय के पंचम दिक्षांत समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में संबोधित कर रहे थे। उन्होनें कहा कि शिक्षा उद्यमिता को बढ़ावा देने वाली होनी चाहिए। मित्र ने कहा कि लक्ष्य प्राप्त करने के लिए मेहनत करनी पड़ती है तथा सफलता का मानक निर्धारित करना होता है। उन्होनें कहा कि शोध व अनुसंधान नवाचार को आगे बढ़ाता है वहीं शिक्षा भी रोजगारोन्मुखी होनी चाहिए। दीक्षांत समारोह में विश्वविद्यालय के 860 विद्यार्थियों का सम्मान करते हुए उन्होनें कहा कि उनके जीवन की असली परीक्षा अब शुरू होगी। नेल्सन मंडेला ने कहा था कि शिक्षा एक ऐसा हथियार है जो दुनिया बदलने की ताकत रखता है। विश्वविद्यालय केवल शिक्षा की उपाधि प्राप्त करने का केंद्र ना होकर उद्यमिता विकसित करने का केंद्र भी होता है। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार ने स्किल डेवलपमेंट पर पूर्ण फोकस किया है। अब इस दिशा में ना केवल कार्य करना है अपितु पॉलिटेक्निक के साथ स्किल डेवलपमेंट का सेंटर भी विकसित करना है। शिक्षा रोजगारोन्मुखी होनी चाहिए, स्किल डेवलपमेंट इंडस्ट्री जब आप इसका संतुलन बना लेंगे तो आपकी शिक्षा स्वत: ही रोजगारोन्मुखी हो जाएगी। उन्होंने कहा कि हर युवा रोजगार हेतु शहरों की ओर भागता है इस व्यवस्था को रोकने की जरूरत है। विश्वविद्यालय के चेयरपर्सन डॉ. अशोक कुमार गदिया ने विश्वविद्यालय की कार्य प्रणाली से अवगत कराते हुए दावा किया कि यह देश का पहला ऐसा विश्वविद्यालय है जहां सबसे अधिक विद्यार्थी अध्ययनरत् है। समारोह में राज्यपाल ने भारतीय प्रशासनिक सेवा के वरिष्ठ अधिकारी बीएन शर्मा को मानक पीएचडी की उपाधि प्रदान की। उन्होंनें पीएचडी करने वालो को उपाधि एवं पीजी परीक्षाओं में स्वर्ण पदक प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को डिग्री प्रदान कर उनका हौसला बढ़ाया। विश्वविद्यालय की शैक्षणिक प्रगति के बारे में रजिस्ट्रार डॉ वेंकट वारपी एवं कुलपति डॉ वी के वैध ने जानकारी दी। मेवाड एज्यूकेशन सोसायटी गोविंद गदिया ने अतिथियों एवं आगंतुको के प्रति आभार प्रकट किया। समारोह में सांसद सीपी जोशी, पूर्व केबीनेट मंत्री श्रीचंद कृपलानी, उपखण्ड अधिकारी तेजस्वी राणा, डॉ. आईएम सेठिया, विमला सेठिया, राज्यपाल कलराज मिश्र के हेलीकॉप्टर से विश्वविद्यालय में आगमन एवं विदाई के समय कार्यवाहक जिला कलक्टर मुकेश कलाल, पुलिस अधीक्षक दीपक भार्गव, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक सरिता सिंह, विश्वविद्यालय के चेयरपर्सन, उपकुलपति, रजिस्ट्रार मौजूद थे।

प्रातःकाल Sun, 01 March 2020
epaper.pratahkal.com/c/49521176

राज्यपाल ने दीक्षांत समारोह में की डिग्री प्रदान

अधिकार बताने वाले क्यों भूल जाते कर्तव्य

पत्रिका न्यूज़ नेटवर्क
rajasthanpatrika.com

चित्तौड़गढ़/ गंगरार. अधिकारों की दुहाई देने वाले ये क्यों भूल जाते हैं कि उनके लिए संविधान ने कुछ कर्तव्य भी तय किए हैं। अधिकार के नाम पर हिंसा को जायज नहीं ठहराया जा सकता।

ये विचार राज्यपाल कलराज मिश्र शनिवार को गंगरार स्थित मेवाड़ विश्वविद्यालय के दीक्षांत समारोह के मुख्य अतिथि के रूप में व्यक्त किए। उन्होंने दिल्ली में हुई हिंसा का नाम लिए बिना कहा कि हिंसा से कोई मकसद हासिल नहीं हो सकता। अपने कर्तव्यों का पालन करने पर हमें ध्यान देना होगा। मिश्र ने कहा कि विश्वविद्यालय ऐसे छात्र तैयार करें जो नैतिक मानदंडों की पालना करने के साथ अपने कर्तव्यों के प्रति भी निष्ठावान हो। करीब पन्द्रह मिनट के उद्बोधन में मिश्र ने छात्रों को जीवन में नेक कार्य करने एवं राष्ट्र, समाज व परिवार के प्रति निष्ठावान रहने का संदेश दिया। उन्होंने पीएचडी करने वालों को उपाधि एवं पीजी परीक्षाओं में स्वर्ण पदक पाने वाले छात्रों को डिग्री प्रदान की। विश्वविद्यालय की शैक्षिक प्रगति के बारे में रजिस्ट्रार डॉ. वेंकेट सीपीआरपी एवं कुलपति डॉ. वीके वैद्य ने जानकारी प्रदान की। आभार मेवाड़ एजुकेशन सोसायटी के सचिव गोविन्द गदिया ने जताया। संचालन वन्दना चुण्डावत एवं राजेश भट्ट ने किया। समारोह में सांसद सीपी जोशी, पूर्व मंत्री श्रीचंद कृपलानी, भाजपा जिलाध्यक्ष गौतम दक भी मौजूद थे। करीब डेढ़ घंटे तक विश्वविद्यालय में ठहराव के बाद राज्यपाल पुनः हेलिकॉप्टर से जयपुर रवाना हो गए। हेलिपेड विश्वविद्यालय परिसर में ही तैयार किया गया था। राज्यपाल का स्वागत एवं विदा करने वालों में कार्यवाहक जिला कलक्टर मुकेश कलाल, पुलिस अधीक्षक दीपक भार्गव, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक सरिता सिंह आदि शामिल थे।

दीक्षांत समारोह में शनिवार को मौजूद विद्यार्थी एवं अतिथि।

उद्यमिता को बढ़ावा दें शिक्षा

शिक्षा ऐसी प्रदान की जाए कि यहां से डिग्री लेकर निकलने वाले नौकरी मांगने की बजाय उद्यमशील बन नौकरी देने वाले बनें। शिक्षा उद्यमिता को बढ़ावा देने वाली होनी चाहिए। मिश्र ने एक श्लोक के माध्यम से विद्यार्थियों को समर्पित भाव से अध्ययन करने के लिए प्रेरित किया।

दिलाई शपथ

राज्यपाल मिश्र ने समारोह के शुरू में उपस्थित सम्भागियों को संविधान की उद्देशिका की शपथ दिलाई। शैक्षणिक उत्कृष्टता में अव्वल रहे विद्यार्थियों को पुरस्कृत किया गया। इनमें बैटेक की छात्रा दीक्षा कुलश्रेष्ठ, बीएससी एग्रीकल्चर के छात्र उज्जवल सरकार, फार्मेसी की छात्रा संगीता सिंह, मैनेजमेंट के सुहैल हमीद एवं बीएससी गणित की छात्रा नवेक्षा को सम्मानित किया गया। मंच पर मुख्यत पीएचडी प्राप्त करने वाले के छात्र-छात्राओं को डिग्री वितरित की गई। इधर, राज्यपाल के आगमन से पहले ही मेवाड़ विश्वविद्यालय में सुरक्षा के कड़े प्रबंध किए गए। हेलिपेड व विश्वविद्यालय परिसर की डॉग स्क्वॉयड के माध्यम से जांच की गई। कार्यक्रम हॉल में भी सुरक्षा के विशेष प्रबंध रहे।

चित्तौड़गढ़ के गंगरार स्थित मेवाड़ विश्वविद्यालय के दीक्षांत समारोह में मंचासीन राज्यपाल एवं अन्य अतिथि।

कोई ऐसा काम मत करना जिससे सिर नीचे हो

समारोह को सम्बोधित करते हुए मेवाड़ विश्वविद्यालय के चेयरपर्सन डॉ. अशोक कुमार गदिया ने विश्वविद्यालय की कार्य प्रणाली की जानकारी देते हुए कहा कि इस विश्वविद्यालय में 25 राज्यों एवं 12 देशों के 10 हजार से अधिक बच्चें शिक्षा प्राप्त कर रहे है। उन्होंने कहा कि शिक्षा में गुणवत्ता पर सबसे अधिक जोर दिया जा रहा है। उन्होंने विश्वविद्यालय में अध्ययन कर रहे विद्यार्थियों से आह्वान किया कि वे यहां से निकलने के बाद जिंदगी में कभी कोई ऐसा कार्य नहीं करे जिससे उनके माता-पिता, शिक्षक व विश्वविद्यालय का सिर नीचा हो जाए।

डिग्रीधारकों से किया कुछ पल संवाद

राज्यपाल ने दीक्षांत समारोह कार्यक्रम के बाद रवाना होने से पहले मुख्यद्वार पर संकाय सदस्यों के साथ फोटो कराया। इस दौरान उन्होंने डिग्री पाने वाली कुछ छात्राओं से संवाद भी किया। छात्र-छात्राओं को कड़ी मेहनत का संदेश देने के साथ उज्जवल भविष्य की शुभकामनाएं दी।

आईएएस शर्मा को मानद पीएचडी उपाधि

समारोह में राज्यपाल ने भारतीय प्रशासनिक सेवा के वरिष्ठ अधिकारी बीएन शर्मा को मानद पीएचडी उपाधि प्रदान की। राज्य में विभिन्न प्रशासनिक पदों पर सेवाएं दे चुके शर्मा वर्तमान में नेशनल एंटी प्रोफिटेरिंग अथॉरिटी के चेयरमैन है।